वानिकी समाचार

tqykbZ ls flrEcj 2017

वर्ष 9, अंक 2,3,एवं 4

अनुक्रमणिका

पृ.सं.
1. महत्वपूर्ण शोध गतिविधियां
2. वृक्ष उत्पादता मेला/किसान मेला
3. परामर्शी
3. विदेश दौरा
4. आकाशवाणी/दूरदर्शन के जरिए वानिकी को लोकप्रिय बनाना
4. कार्यशाला/सेमीनार/बैठक
5. प्रशिक्षण कार्यक्रम
9. राजभाषा समाचार
10. प्रतिष्ठित व्यक्तियों का दौरा
10. महानिदेशक महोदय का दौरा
11. पेटेंट
12. जागरूकता प्रमाणन कार्यक्रम
13. विविध
13. अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलाप
13. भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी की 23वीं बैठक
13. पुरस्कार
13. मा.सं. समाचार

महत्वपूर्ण शोध गतिविधियां

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भौतिक–रासायनिक स्थितियों के विभिन्न समूहों के अंतर्गत प्रयोगों के उपरांत केले के तने के रस से अपचित शर्कराओं के अधिकतम निष्कर्षण हेतु प्रसंस्करण स्थितियां एवं रासायनिक निष्कर्षण प्रक्रियाएं उपयुक्ततम बनाई गई। उपयुक्ततम शर्करा उत्पादन की स्पैक्ट्रोफोटोमीट्रिकली (डी एन एस विधि) पुष्टि की गई है। *एसिड हाइड्रोलिसिस* की व्याख्या सहित पुष्टिकरणीय प्रयोग जारी हैं।
- बायोएथेनोल एवं कागज बनाने हेतु इसकी उपयुक्तता की जाँच के लिए गन्ना खोई का रासायनिक विशलेषण निष्पादित किया गया। खमीर बनाने योग्य स्थितियों के अंतर्गत खोई धूलि से अपचित शर्करा का निष्कर्षण किया गया। अपचित शर्करा की लगभग 14–16 मिग्रा/मिलि. मात्रा को विशिष्ट तापमान एंव समय पर तनु अम्लीय अवस्था में निष्कर्षित किया गया है। खोई से अपचित शर्करा की पुनरप्राप्ति बढ़ाने के प्रयोग किए जा रहे हैं।
- चकराता वन प्रभाग एवं टिहरी गढ़वाल में धनोल्टी में तीन विभिन्न वन प्रकारों खारूस बांज वन *(क्वेरकस सेमेकार्पीफोलिया)*, मोरू बाज वन *(क्यू. डिलाटाटा)*, बन बांज वन *(क्यू. लियूकोट्राइकोफोरा)*, में तितलियों के नमूनों एवं आंकड़ो के एकत्रण पर सैंपलिंग सर्वेक्षण किए गए।
- पौड़ी गढ़वाल एवं उत्तरकाशी के वनों में उगी *रोडोडैंड्रोन आर्बोरियम* की आबादी में कुल फ्लेवोनॉइड मात्रा (टी एफ सी) हेतु अभिलक्षणित किया गया।
- भारत की टैटीगोनाइडी (आर्थोप्टेरा) का वर्गीकरण अध्ययन (ए आई सी ओ पी टी ए एक्स)। निम्नलिखित टैटीगोनाइडी वयस्क एवं अल्पवयस्क कीट न्यू फॉरेस्ट क्षेत्र से एकत्रित किए गए, *कोनोसिफेलस मिलिनस, मैक्कोपोडा इलोंगाटा इलोंगाटा सेथ्रोफाइलिया रूगोसा* तथा *लेटाना मेगास्ट्राइडुला* का अध्ययन भी चिड़ियापुर एवं झिलमिल हरिद्वार में किया गया।
- कटे एवं सूखे बांस का एक प्रमुख वेधक, *क्लोरोफोरस एनुलेरिस फैब.* (कोलीओप्टेरा : सिरामबाइसिडी) लगने से संक्रमित बांस को व.अ.सं. परिसर से एवं उसके आस–पास से एकत्रित किया गया तथा अध्ययन हेतु जस्ता, काष्ठ, चिमनी एवं बाहरी पिंजड़ों में रखा गया। नर एवं मादा भृंगों के मिलन व्यवहार एवं दीर्घजीविता को रिकॉर्ड किया गया।
- राष्ट्रीय वन कीट संग्रहालय में छोटे कीटों की जांच करना : छोटे कीटों का अंकीकरण; स्कैराबिड़ी (कोलियोप्टेरा) से संबंधित छोटे भृंगों की 88 प्रजातियों (जीनस *औथोफेगस* की 39 प्रजातियां, *कोसोलस, ओनिटिसेलस, डेलोप्लेंटस, बोल्वोसिरस* तथा *ओथफन्स* प्रत्येक की 1 प्रजाति, *ड्रेपेनोसिरस* की 5 तथा *एफोडियस* की 39 प्रजाति) को एस एम जेड – 16 स्टीरिओजूम सूक्ष्मदर्शी पर लगे ऑटोमोंटेज 3–जी इमेजिंग सिस्टम पर अंकीकृत किया गया।

- 21 विभिन्न वन प्रकारों के नक्शे ए आर सी एम ए पी 10.5 पर बनाए गए। उत्तराखंड में विभिन्न वन प्रकारों उप प्रकारों से संबंधित तितलियों पर अधिक कीट नमूने एवं आंकडे एकत्रित किए गए।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर

- तमिनलाडु से धर्मपूरी जिले से अकेसिया की 32 – अभ्यर्थी धन वृक्षों को चयनित किया गया।
- नीवेली–तमिनलाडु तथा पेरिगेमाला–केरल में 2014 में स्थापित *ए. ऑरीकुलीफोर्मिस* के कृन्तकीय परीक्षणों का 3–वर्षों के बाद वृद्धि एवं रूप हेतु मूल्यांकन किया गया। डाटाप्लस एवं जैनस्टेट सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर आंकड़ों का विशलेषण किया गया। वृक्ष की ऊँचाई, छाती तक की ऊँचाई पर घेरा, तने की सीधाई, सीधे तने की ऊँचाई तथा छत्र प्रधानता के आधार पर कंट्रोल पौधों एवं मैसूर पेपरमिल्स हाइब्रिड्स की तुलना में एक क्लोन (क्लोन नं. 27) ने बेहतर निष्पादकता प्रदर्शित की।

शु.व.अ.सं., जोधपुर

- एमपावर परियोजना के अंतर्गत बैतू, संकाडा, बाप तथा आबूरोड इन चार ब्लॉकों में मृदा कार्बनिक कार्बन घन्तव का विश्लेषण किया गया। ऊपर की 0–30 से.मी. मृदा परत में मृदा कार्बन घनत्व बाप ब्लॉक में 4.50 टन प्रति हे. से बेतू ब्लॉक में 14.84 टन प्रति हे., की रेंज पाया गया।
- राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में *डैंड्रोकेलेमस स्ट्रिक्ट्स* तथा *बंबूसा बैंबोस* के राइजोस्फेयर से मृदा सैंपल एकत्रित किए गए *ग्लोमस, एकालोस्पोरा, जिगोस्पोरा* तथा *स्कलेरोसिस्टिस* की उपस्थिति पाई गई। इनमें से ग्लोमस अत्यधिक मात्रा में पाए गए हैं।
- शु.व.अ.सं. पौधशाला में 15 *कज्यूरिआना* कृन्तकों के वानस्पतिक गुणन उद्यान स्थापित किए गए।
- *एजेडिरक्टा इंडिका* के अपरिपक्व भ्रूण से प्राप्त कैलस से कायिक भ्रूण जनन सफलतापूर्वक प्रारंभ किया गया।
- लवणता दबाव वाली स्थितियों में एक लवण सहिष्णु जीन एस ओ एस–1 का इन सिलिकों सह–अभिव्यक्ति विश्लेषण से बीटा–ग्लूकोसाइडेज 2 प्रकार प्रोटीन (जी बी ए 2) जीन कोड़िग के साथ एक सुदृढ़ अभिव्यक्ति सहयोजन का पता चला।
- पौधों की निष्पादकता पर उपचारित प्रवाही अनुप्रयोग के प्रभाव पर प्रेक्षण से ऊँचाई, कॉलर व्यास और छत्र व्यास तथा प्रजातियों में माध्य वार्षिक वृद्धि में उल्लेखनीय विविधता ($P<0.01$) का पता चला। सबसे अधिक निष्पादकता वाली प्रजातियां *ए. इंडिका, ई. कामल्ड्यूलेनसिस, पी. जूलीफ्लोरा* तथा *सोल्वेडोरा पर्सिका* थी, वहीं सबसे कम निष्पादन करने वाली प्रजाति *टी. एफाइला* थी।

वृक्ष उत्पादकता मेला/किसान मेला

संस्थान	मेला	अवधि	स्थान
शु.व.अ.सं., जोधपुर	किसान मेला/संगोष्ठी	21 अगस्त 2017	के.वी.के. काजरी, जोधपुर
	किसान मेला	15 दिसम्बर 2017	कृषि अनुसंधान केंद्र, मंडोर, जोधपुर
	किसान मेला	15 दिसम्बर 2017	काजरी
व.व.अ.सं., जोरहाट	वन या रेशम कृषि मेला	29 अगस्त 2017	केंद्रीय मूगा इरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (CMFRTI), लाहडोंईगढ़, जोरहाट

व.व.अ.सं., जोरहाट ने एक वन्य रेशम कृषि मेला में सहभागिता की

परामर्शी

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू तथा भारतीय प्लाईवूड उद्योग अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (इपीर्ति), बंगलुरू के मध्य पांच वर्षों की शुरूआती अवधि के लिए 29 अगस्त 2017 को एक समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर हुए जिसे आपसी सहमति से अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान करना है तथा इसके शोध कार्यकलापों का कर्नाटक एवं गोआ राज्यों के क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण वन शोध आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देना है और शोध एवं विकास, प्रशिक्षण एवं शिक्षा, प्रशिक्षण एवं मानकीकरण तथा लकड़ी, बांस एवं सभी अन्य लिग्नोसैल्यूलोसिक पदार्थों से प्लाईवुड एवं अन्य पैनल उत्पादों हेतु सभी तकनीकी पहलुओं पर विस्तार कार्यकलापों को अपने हाथों में लेना है।
- BIOM किरांडुल परिसर, दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ हेतु पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं तथा पुनरूद्धार एवं पुनर्स्थापन योजनाओं के निर्माण हेतु एक परामर्शी योजना एन एम डी सी लि., हैदराबाद द्वारा प्रदान की गयी।
- वर्तमान में टिहरी हाइड्रो विकास नियम, इंडिया लि; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड; कर्नाटक राज्य कार्यलयी प्राधिकरण; उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यू जे वी एन एल); पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता ; एन टी पी सी लि; नोयडा तथा सी एम पी डी आर, रांची; एम एन डी सी लि., हैदराबाद द्वारा प्रदत्त परामर्शी 09 चालू परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

हि.व.अ.सं., शिमला

हि.व.अ.सं., शिमला तथा मै. अंबूजा सीमेंट प्राइवेट लि.; दारलघाट, जिला सोलन (हि.प्र.) के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसका उद्देश्य अतिरिक्त जी बी डी क्षेत्रों की स्थापना हेतु तकनीकी जानकारियां प्रदान करना तथा ग्रीन बेल्ट विकास हेतु मै. अंबूजा सीमेंट प्राइवेट लि., द्वारा चलाए जा रहे कार्यों का आकलन एवं तकनीकी निवेश पर परामर्शी प्रदान करना है। यह परामर्शी दो वर्षों की अवधि में कार्यान्वयन के लिए मंजूर की गई है।

विदेश दौरे

कार्मिकों का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	स्थान
डॉ. आर.एस. रावत वैज्ञानिक–डी	भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय	रेड+कम्पास पर प्रशिक्षण	24–26 जुलाई 2017	काठमांडू, नेपाल
श्री हंस राज वैज्ञानिक–सी	ए.आर.सी.बी.आर, ऑइजॉल			
श्री तारा चंद वैज्ञानिक–डी				
श्री विश्वजीत शर्मा अनुसंधान सहायक–1				
डॉ. वी.पी. तिवारी, निदेशक	हि.व.अ.सं., शिमला	आई.यू.एफ.आर.ओ 125 वी. वर्षगांठ कांग्रेस	18–22 सितम्बर 2017	फ्रीबर्ग, जर्मनी
डॉ. रश्मि, वैज्ञानिक–ई	व.अ.सं., देहरादून			
डॉ. के.के. पाण्डे, वैज्ञानिक–जी	का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू	यूनेप, पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन पैनल (ई ई ए पी)	11–19 सितम्बर 2017	स्ट्राटफोर्ड अपॉन एवॉन, यू.के.

आकाशवाणी / दूरदर्शन के जरिए वानिकी को लोकप्रिय बनाना –

कार्यक्रम शीर्षक	चैनल	दिनांक
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी कार्यक्रम के अंतर्गत जैवविविधता हाटस्पॉट एवं इसका महत्व	ऑल इंडिया रेडियो, गुवाहाटी, असम	17 अगस्त 2017

कार्यशालाएं / सेमीनार / बैठक

सं.	शीर्षक	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (व.आ.वृ.प्र.सं.), कोयम्बटूर		
1.	विशेषज्ञ समिति की बैठक	21 अगस्त 2017	के वी के काजरी, जोधपुर
2.	तीसरी नियतकालीन सेमीनार	28 अगस्त 2017	एस आर एफ, जे आर एफ, आर ए एवं एफ ए सहित, वैज्ञानिक, ऑफीसर एवं शोध कर्मचारी
3.	दूसरी संस्थान स्तरीय नियतकालीन सेमीनार	21 जुलाई 2017	एस आर एफ, जे आर एफ, आर ए एवं एफ ए सहित, वैज्ञानिक, ऑफीसर एवं शोध कर्मचारी
4.	वनों में आक्रामक पौधों का प्रबंधन	12 सितम्बर 2017	60 वैज्ञानिक, शोध अधिकारी, शोध शोधार्थी
5.	कीट–पौध पारस्परिक क्रिया एवं वन कीट प्रबंधन में इसकी संभावित भूमिका	27 सितम्बर 2017	60 वैज्ञानिक, अधिकारी, शोधार्थी
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (का.वि.प्रौ.सं.), बंगलुरू		
6.	17 जुलाई, 2017 को काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरू में एक क्षेत्रीय शोध सम्मेलन का आयोजन हुआ। वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार; महानिदेशक भा.वा.अ.शि.प.; भा.वा.अ.शि.प. के सभी उप महानिदेशक; भा.वा.अ.शि.प. के निदेशक; केरल वन विभाग तथा कर्नाटक; तमिनलाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पी सी सी एफ, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, उद्योगों एन जी ओ, किसानों एवं अन्य हितधारकों ने इस सम्मेलन में सहभागिता की। लगभग 100 प्रतिभागियों ने सम्मेलन में सहभागिता की।		**डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू में क्षेत्रीय शोध सम्मेलन को संबोधित करते हुए**
7.	भा.वा.अ.शि.प. के निदेशकों की बैठक	18 जुलाई 2017	भा.वा.अ.शि.प. के सभी संस्थानों के निदेशक, भा.वा.अ.शि.प. के उप महानिदेशक एवं सहा. महानिदेशक
8.	सामुदायिक संरक्षित क्षेत्रों का संरक्षण (आई सी सी ए एस), ओरान / चारनोट	15–16 जुलाई 2017	स्थानीय समुदाय
9.	अपतृण एवं आक्रामक प्रजाति *पी. जूलीफ्लोरा* समस्या एवं समाधान	एक दिवसीय	25 प्रतिभागी

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.), शिमला

10.	वानिकी में शोध आवश्यकताओं का प्राथमिकीकरण एवं पहचान	11 अगस्त 2017	हिमाचल प्रदेश वन विभाग, विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संगठन, उद्योग, एन जी ओ, किसान स्थानीय निकाय एवं महिला मंडल आदि

वानिकी में अनुसंधान आवश्यकताओं का प्राथमिकीकरण एवं पहचान, हि.व.अ.सं., शिमला

प्रशिक्षण कार्यक्रम

सं.	शीर्षक	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान (व.अ.सं.), देहरादून		
1.	कृषि वानिकी एवं भूमि प्रबंधन	18 से 20 सितम्बर 2017	अग्रिमपंक्ति कार्मिक एवं पंजाब वन विभाग के 35 किसान
2.	बांस की खेती एवं उपयोगिता	22 से 24 अगस्त 2017	उत्तराखण्ड राज्य के गैर सरकारी संगठन तथा महिलाओं सहित विभिन्न स्वयं सहायक समूह से 40 प्रतिभागी
3.	पौधशाला रोग एवं उनका प्रबंधन	1 से 5 अगस्त 2017	उत्तराखंड एवं महाराष्ट्र के राज्य वन विभाग के कर्मचारीगण
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (व.व.अ.सं.), जोरहाट		
4.	एरी उद्यमियों हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण	27 जून से 9 जुलाई 2017	–
5.	बांस हस्तशिल्प के जरिए आजीविका पैदा करने हेतु ग्रामीण युवाओं की कौशल विकास एवं क्षमता बढ़ाना	28 अगस्त से 9 सितम्बर 2017	संस्कृति एवं ग्रामीण विकास हेतु संस्थान (ICARD) से 21 प्रतिभागी
6.	पौधशाला तकनीकियां एवं वर्मीकम्पोस्टिंग	14 से 15 सितम्बर 2017	जे एफ एम सी, किसान एवं अग्रिमपंक्ति स्टाफ
7.	पौधशाला प्रबंधन, बांस प्रजनन एवं खेत ही मूल्य वर्धन, बीज प्रौद्योगिकी एवं वर्मीकम्पोस्टिंग तकनीकियां	1 से 4 सितम्बर 2017	असम वन स्कूल, जलुकबारी असम से 39 प्रतिभागी
8.	उत्तर–पूर्वी राज्यों के लोगों के आजीविका के मामले को सुलझाती वानिकी	6 से 8 सितम्बर 2017	जे एफ एम सी, स्वयं सहायक समूह, एन जी ओ, उद्यमी इत्यादि सहित 32 प्रतिभागी

9.	ग्रामीण विकास एवं सतत् आजीविका में वानिकी की भूमिका	20 से 22 सितम्बर 2017	पंचायत सदस्य, विद्यार्थी, जे एफ एम सी सदस्य, एन जी ओ कार्मिक, बैंकिग संस्थानों से एवं शैक्षणिक कार्मिक, मीडिया आदि से

कृषि वानिकी एवं व्यवसायिक वानिकी के प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक एवं प्रतिभागी

व.व.अ.सं, जोरहाट ने फारेस्टर्स हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

व.व.अ.सं. ने अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान किया

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (का.वि.प्रौ.सं.), बंगलुरू

10.	काष्ठ उपयोगिता	25,28,29 अगस्त 2017	तमिलनाडु वन अकादमी के राजि अधिकारी
11.	वुड पौलीमार कम्पोजिट्स	09 से 11 अगस्त 2017	–
12.	बांस : प्रवर्धन, मूल्य वर्धन एवं विपणन	18 से 22 सितम्बर 2017	11 प्रतिभागी
13.	वन, वन्य जीव एवं पर्यावरण संरक्षण	19 से 21 सितम्बर 2017	वन, आबकारी विभाग, वन विभाग, एफ आर एल, एच टी आदि से संबंधित व्यापारिक समुदायों से 26 लाभार्थी
14.	चंदन की लकड़ी एवं अन्य प्रजातियों के पौधशाला कार्य	22 सितम्बर 2017	25 वन विभाग कर्मचारीगण
15.	काष्ठ संशोषण एवं संरक्षण	25 से 28 सितम्बर 2017	ए पी टिम्बर फैडरेशन के 6 व्यक्ति
16.	वानिकी में सांख्यिकीय विधि	13 से 15 सितम्बर 2017	12 शोध कर्मचारी
17.	चंदन काष्ठ एवं अन्य वृक्ष प्रजातियां का पौधशाला कार्य	22 सितम्बर 2017	–

वन आधारित आजीविका एवं विस्तार केन्द्र (व.आ.आ.वि.के.), अगरतला

18.	वानस्पतिक दवाएं	07 से 09 सितम्बर 2017	–

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.), शिमला

19.	उत्पादकता बढ़ाने हेतु पौधरोपण भण्डार सुधार	18 से 20 जुलाई 2017	कृषि, फलोद्यान, पशु–व्यवसायिक, ग्रामीण विकास, भू–अभिलेख, ब्लॉक विकास कार्यालय कोषागार से 30 प्रतिभागी
20.	मोरंग वन, हिमाचल प्रदेश में वैज्ञानिक मध्यस्थता से *पाइनस जिरार्डियाना* (चिलगोजा) का संरक्षण	9 से 10 अगस्त 2017	किसान एवं ग्रामीण
21.	चेनाव घाटी (जम्मू एवं कश्मीर) में उच्च तुंगता क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती	21 अगस्त 2017	स्थानीय समुदाय
22.	आतिस, वन ककरी, चोरा एवं अन्य महत्वपूर्ण शीतोष्ण पौधों की खेती	22 अगस्त 2017	45 उन्नतशील किसान
23.	महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पौधों की खेती : ग्रामीण आय की विविधता एवं वृद्धि हेतु एक विकल्प।	तीन दिवसीय	वनों के समीप रहने वाले ग्रामीण, बैंक, तीन दिवसीय अध्यापक, विद्यार्थी, पंचायतों के सदस्य, महिला मंडल एवं युवा मंडल, जे एफ एम सी, एन जी ओ, के प्रतिनिधियों सहित 35 सहभागी

चेनाव घाटी (जम्मू–कश्मीर) में उच्च तुंगता क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन आधारित आजीविका एवं विस्तार केंद्र (व.आ.आ.वि.के.), अगरतला

24.	घर बनाने हेतु बांस की खेती एवं परिरक्षण तकनीकियां	19 अगस्त 2017	बरकाथल, पश्चिम त्रिपुरा जिला तथा मचमारा उत्तरी त्रिपुरा जिला से 30 लाभार्थी
25.	बांस आधारित आजीविका प्रोत्साहन हेतु उत्पाद विकास	29 अगस्त से 30 अगस्त 2017	बरजाला क्लस्टर के 25 बांस शिल्पी

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (शु.व.अ.सं.), जोधपुर

26.	पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अंब्रेला योजना के अंतर्गत 29 से 31 अगस्त 2017 से वानिकी एवं शुष्क–भू–वानिकी	3 दिन	पंचायती राज संस्थान, विश्वविद्यालय एवं स्काउट रॉवर्स से शोधार्थी, वी एफ पी एम सी, एन जी ओ एवं स्कूलों के अध्यापक
27.	भू–वानिकी : प्रसार, विकास एवं संरक्षण	12 से 14 सितम्बर 2017	पी डब्लयू डी, पी एच डी, जे डी ए, विद्युत वितरण निगम, जलागम, विकास एवं मृदा संरक्षण, कृषि, फलोद्यान टूररिज्म आदि से 38 अधिकारी
28.	सतत् आजीविका में वानिकी की भूमिका	19 से 21 सितम्बर 2017	वी एफ पी एम सी, एन जी ओ, जल विकास समितियां, आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं जलागम, स्काउट, वनस्पति प्रभाग जे.एन.वी. विश्वविद्यालय, जोधपुर से विद्यार्थी एवं अध्यापक आदि 38 प्रतिभागी
29.	जैव उर्वरक एवं जैवकीय खाद तकनीकी की कुटीर उद्योग में भूमिका	5 दिन	19 – किसान

''शुष्क भूमि वानिकी : प्रसार, विकास, संरक्षण'' पर एक प्रशिक्षण

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (उ.व.अ.सं.), जबलपुर

30.	वनों की उत्पादकता वृद्धि हेतु जैव कीटनाशकों एवं जैव उर्वरकों का प्रयोग	8 से 10 सितम्बर 2017	स्वयं सहायक समूह के सदस्य एवं विद्यार्थी आदि 48 बेराजगार युवा
31.	वन पौधशालाओं एवं रोपणियों में नाशी कीट एवं उनके नियंत्रण उपाय	8 सितम्बर 2017	16 एस एफ डी के सदस्य आदि
32.	लाख की खेती द्वारा अतरिक्त आय	12–14 सितम्बर 2017	स्वयं सहायक समूह के सदस्य, विद्यार्थी आदि 45 बेरोजगार युवा
33.	जैवविविधता संरक्षण एवं पर्यावरणीय जागरूकता	16 सितम्बर 2017	नवीन सरकारी मिडिल स्कूल पोअमा, छिंदवाडा के 88 विद्यार्थी
34.	वन से एन डब्ल्यू एफ पी कृषि, संरक्षण एवं मूल्यवर्धन/वन से भोजन	18 सितम्बर 2017	भारत–भारती विद्यालय, छिंदवाडा के 16 विद्यार्थी एवं अध्यापक

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (व.आ.वृ.प्र.सं.), कोयम्बटूर

35.	आंतरिक ऑडिट	20 एवं 21 जुलाई 2017	15 वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण
36.	चन्दन काष्ठ एवं अन्य वानिकी प्रजातियों की खेती	26 जुलाई 2017	50 किसान
37.	महत्वपूर्ण टिम्बर प्रजातियों की क्षेत्र पहचान	24 से 28 जुलाई 2017	के.एफ.डी. के राजि अधिकारी एवं वन महाविद्यालय के विद्यार्थी
38.	कोयर पिथ डिस्क बनाना/विकास बायोबूस्टर डिस्क/पेलट्स	–	इरूलर जनजातियों के महिला स्वयं सहायक समूह (डब्लयू एस एच जी)
39.	*ट्राईकोडर्मा विरीडी* का संवर्धन एवं वंश वृद्धि	29 एवं 30 अगस्त 2017	स्कूल छोड़ चुके बेरोजगार, बेरोजगार ग्रेजुएट्स एवं युवा किसान
40.	जैविक कूड़ों से बायोप्रोस्पेक्टिंग एवं बायोपाइरेसी	13 से 15 सितम्बर 2017	बहुत से सरकारी विभाग, जनजाति वेलफेयर संगठन इत्यादि

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में इरूलर जनजाति के महिला स्वंय सहायक समूहों (डब्लयू एस एच जी) के लिए प्रशिक्षण

राजभाषा समाचार

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) ने 7 से 14 सितम्बर 2017 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया। समापन समारोह का आयोजन 14 सितम्बर 2017 को किया गया। डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक भा.वा.अ.शि.प. इस समारोह के मुख्य अतिथि रहे।
- व.व.अ.सं., जोरहाट में 14 से 21 सितम्बर 2017 तक हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर विविध कार्यक्रम जैसे– आशु भाषण, निबंध प्रतियोगिता, पहेलियां आदि आयोजित किए गए।
- वन आधारित आजीविका एवं विस्तार केन्द्र, अगरतला में भी हिन्दी समारोह मनाया गया।
- व.जै.सं., हैदराबाद में 14–20 सितम्बर 2017 तक हिन्दी सप्ताह आयोजित किया गया।
- व.आ.मा.सं.वि.के., छिंदवाड़ा में 20 जुलाई 2017 को कार्यालयी कार्यों में राजभाषा के कार्यान्वयन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के हिन्दी सप्ताह के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.

व.व.अ.सं., जोरहाट मे हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन

व.आ.आ.वि.के., अगरतला में हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन

प्रतिष्ठित व्यक्तियों का दौरा

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- श्री ऐड्र आएयरे, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त, चण्डीगढ़ ने 17 अगस्त, 2017 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- श्री के.वी. चौधरी, मुख्य सर्तकता आयुक्त, नई दिल्ली ने 13 अगस्त 2017 वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- इंडोनेशिया के एक प्रतिनिधि मंडल ने 5 सितम्बर 2017 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।

श्री ऐड्र आएयरे, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त, चण्डीगढ़ का वन अनुसंधान संस्थान का दौरा

व.व.अ.सं., जोरहाट में अरूणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जी

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर

- डॉ. के दिलीपन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, बॉयो सिक्योरिटी, इको सांईस प्रीसीनट, क्वीसलैंड, आस्ट्रैलिया ने 12 सितम्बर 2017 व.आ.वृ.प्र.सं. का दौरा किया तथा उन्होंने वनो में आक्रमक पौधों के प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान दिया।

व.व.अ.सं., जोरहाट

- श्री चौना मेन, उप मुख्यमंत्री, अरूणाचल प्रदेश ने राज्य के तीन वैज्ञानिकों श्री इगम बसार, डॉ. डी यौगम तथा डॉ. ओ. अपाग के साथ 11 सितम्बर 2017 को वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया। श्री चावना मेंन ने बहुत से मुद्दों पर जोर दिया तथा उन्होंने अरूणाचल प्रदेश की विकास प्रक्रिया में व.व.अ.सं. के सहयोग को आमंत्रित किया।

महानिदेशक महोदय का दौरा

डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू का दौरा किया तथा 22 अगस्त 2017 को आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की।

पेटेंट्स

वन अनुसंधान संस्थान द्वारा "एक पादप आधारित माइक्रोस्कोपिक इमर्सन ऑयल फोर्मूलेशन/सूक्ष्मदर्शीय उत्सर्जन तेल सूत्रीकरण विषय पर एक पेटेंट अनुप्रयोग सं. TEMP/E-1/27105/2017-DEL 2017 1102668, 27 जुलाई 2017 को फाइल किया गया।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने *मोमोरडिका डायोइका* के मूल्य वर्धन पर 21 से 30 अगस्त 2017 तक कौशल विकास (स्किल इंडिया) पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। राजस्थान के सिरोही जिले के अबू रोड ब्लॉक के जनजातीय बहुल क्षेत्र के वी एफ पी सी/एस एच जी से 204 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने 23 अगस्त 2017 को काष्ठ परिरक्षण पर कर्मचारियों हेतु एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने कर्नाटक, पोन्नामपट के वानिकी कॉलेज के 50 विद्यार्थियों को रस विस्थापन पद्धति (सैप डिस्पलेसमेंट मैथड) के द्वारा बांस उपचार की साधारण तकनीकी का प्रदर्शन किया।
- भद्रवाह (जम्मू कश्मीर) में भद्रवाह विकास प्राधिकरण के 30 मालियों हेतु 22 अगस्त 2017 को हिमालयी औषधीय पौधों की पौधशाला तकनीकियों एवं रख रखाव पर एक प्रदर्शन किया गया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट मे 15 कॉलेज विद्यार्थियों एवं 6 आंगतुक को 21 जुलाई 2017 को बांस पौधशाला, बांस वाटिका, ऊतक संवर्धन, प्रयोगशाला, बांस हस्तशिल्प एवं बांस परिरक्षण तकनीकियों पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्किल इंडिया

21 से 30 अगस्त 2017 तक शु.व.अ.सं, जोधपुर में कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया

एम. डायोइका के फलों की धुलाई

फलों का वजन करना एवं काटना

उबले जल से गुजारना

फलों को सुखाना

आचार तैयार करना

एस एच जी सदस्यों के मध्य आचार बांटना

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषय वस्तु	समयावधि
व.अ.सं., देहरादून	वन महोत्सव	14 जुलाई 2017
शु.व.अ.सं., जोधपुर		6 जुलाई 2017
व.जै.सं, हैदराबाद		6 जुलाई 2017
व.व.अ.सं.,जोरहाट		1 से 7 जुलाई 2017
हि.व.अ.सं, शिमला		6 जुलाई 2017
व.अ.सं, देहरादून	स्वच्छता पखवाड़ा	30 जून से 14 जुलाई 2017
व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बटूर	डॉ. एस. केदार नाथ मैमोरियल लैक्चर	28 जुलाई 2017
व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बटूर	विश्व ओजोन दिवस	16 सितम्बर 2017
व.व.अ.सं.,जोरहाट		
व.आ.आ.वि.के., अगरतला		
शु.व.अ.सं., जोधपुर		
व.आ.आ.वि.के., अगरतला	विश्व बांस दिवस	18 सितम्बर 2017

हि.व.अ.सं., शिमला में वन महोत्सव समारोह

व.अ.सं., देहरादून में वन महोत्सव समारोह

अन्य महत्वपूर्ण क्रिया–कलाप

व.आ.आ.वि.के., अगरतला ने 06 जुलाई 2017 को वन पर्यावरण एवं जलवायु, परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत हिमालयी अध्ययन (एन एम एच एस) द्वारा वित प्रदत्त ''भूकम्परोधी ढांचे के निर्माण हेतु बांस परिरक्षण के उत्थान'' विषयवस्तु पर परियोजना के क्रियान्वयन हेतु एक परियोजना प्रारंभ समारोह का आयोजन किया। श्री जगदीश सिंह, भा.व.से, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, त्रिपुरा सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी की 23वीं बैठक

भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी की 23 वीं वार्षिक सामान्य बैठक (ए जी एम) 28 सितम्बर 2017 को पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। भा.वा.अ.शि.प. के वार्षिक रिपोर्ट 2015–16 बैठक में अंगीकृत की गई।

23वीं सोसाइटी बैठक

पुरस्कार

डॉ. गिरीश चंद्र, भा.वा.अ.शि.प. ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार ''कोचरन–हंसने पुरस्कार'' 2017 प्राप्त किया

डॉ. गिरीश चन्द्र, वैज्ञानिक–सी, वानिकी सांख्यिकी प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प., ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय 'कोचरन–हंसेन पुरस्कार' –2017 प्राप्त किया। यह पुरस्कार मराकेश, मोरक्को में विश्व सांख्यिकीय कांग्रेस 16–21 जुलाई 2017 के दौरान सर्वेक्षण अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वेक्षण सांख्यिकीविदों के अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा प्रदान किया गया। यह द्विवार्षिक पुरस्कार विकासशील देशों से युवा सांख्यिकीविदों की सर्वोत्तम शोध विधियों हेतु दिए गए सर्वेक्षण में सर्वोत्तम शोध हेतु प्रदान किया जाता है। डॉ. चन्द्र ने यह पुरस्कार क्रमिक क्षेत्रों में सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों द्वारा कार्यान्वित किए गए विकासोत्तर कार्यक्रमों के प्रतिक्रिया आंकलन में रेंक्ड सेट सैपलिंग विधियों के अनुप्रयोग हेतु प्राप्त किया। वह डॉ. खेया भट्टाचार्य, मारोक्को में भारतीय राजदूत द्वारा भी सम्मानित किए गए।

डॉ. गिरीश चन्द्र, वैज्ञानिक–सी (भा.वा.अ.शि.प.) (मध्य) ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय 'कोचरन–हंसेन पुरस्कार' 2017 प्राप्त किया

मानव संसाधन समाचार

नाम एवं पदनाम	दिनांक
नियुक्तियां	
प्रतिनियुक्ति :	
श्री एस.डी. शर्मा, भा.व.से., निदेशक (अं.स.) भा.वा.अ.शि.प.	11.07.2017
श्री अनिल कुमार, हिन्दी अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	22.09.2017
पदोन्नति	
श्री वी.बी. जखमोला, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.	01.03.2017

भा.वा.अ.शि.प. से प्रत्यावासन/कार्य भार मुक्त किए गए	दिनांक
डॉ. यू. प्रकाशम, भा.व.से., निदेशक, उ.व.अ.सं., जबलपुर	08.08.2017
डॉ. एन.के. वासू, भा.व.से., निदेशक, शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.08.2017
सेनानिवृत्त	
डॉ. एच.वी. वशिष्ठ, वैज्ञानिक–एफ, व.अ.सं., देहरादून	31.07.2017
डॉ. राजीव राय, वैज्ञानिक–एफ, उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.07.2017
श्री एम. वैंकटेश्वर राव, वैज्ञानिक–एफ, व.जै.सं, हैदराबाद	31.07.2017
श्री वी.के. धवन, वैज्ञानिक–बी, व.अ.सं., देहरादून	31.08.2017

संरक्षक :
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडल :
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), संपादक :
श्री रमाकांत मिश्र, ए सी टी ओ, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, संपादक मण्डल के विचारों को अनिवार्यतः प्रकाशित सामाग्री प्रतिबिंधित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।